

गात्र

P.R. NO. WB/ASL/01/

20 मार्च 2019

GOVT. OF INDIA/R.N.I. NO. WBHIN/2010/34090

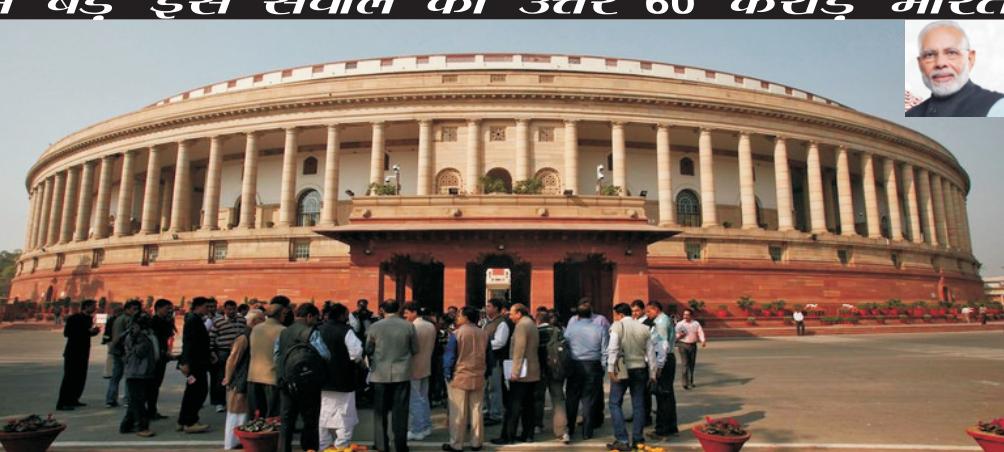
DIO Approved

मूल्य 2 ₹

फैसला 2019 कितने? यही आज का सबसे बड़ा सवाल

आज के सबसे बड़े इस सवाल का उत्तर 60 करोड़ भारतीयों के पास

गंतव्य नई दिल्ली बूरो : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर सरकार बना सकती है और उसकी इस जीत में सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया की भी भूमिका रही जहां भाजपा अपने लक्षित जनसमूह तक अपने प्रतिद्वंद्वियों की अपेक्षा ज्यादा व्यवस्थित तरीके से पहुंचने में सफल रही है। भाजपा का कुशल सोशल मीडिया तंत्र कई महीनों पहले ही सक्रिए हो गया था और इसने बहुत जल्द ही प्रिंट, टीवी और सोशल मीडिया नेटवर्कों पर सबसे शीर्ष रेटिंग हासिल कर ली। पार्टी ने अधिकतम मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने के लिए आकर्षक रेडियो जिंगल्स का सहारा लिया जो देश भर में एफएम चैनलों पर



चलते रहे। भाजपा के 'फिर एकबार मोदी सरकार, मोदी है तो मुझकिन है' 'मैं भी चौकीदार, और आएगा तो मोदी है' जैसी आकर्षक कैचलाइन हर आयु

वर्ग में लोकप्रिय रही। पार्टी का मैं भी चौकीदार, सोशल मीडिया लेटफार्म पर अविश्वसनीय रूप से सफल रहा। वहीं कंग्रेस का चौकीदार चौर है

अभियान प्रभाव हिन रहा। नोयडा स्थित प्रमुख मार्केटिंग कंपनी बुजोका द्वारा कराए गए सर्वे के अनुसार जहां देश के 54 प्रतिशत शीर्ष डिजीटल

ग्रामीण पेयजल हैकाथॉन में यादवपुर विश्वविद्यालय का टीम ने लहराया परचम

विश्वविद्यालय का टीम ने लहराया परचम

पीआईबी कोलकाता : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के ग्रामीण विकास केंद्र द्वारा ग्रामीण पेयजल सुविधा पर आयोजित 'खड़ल ड्रिंकिं वाटर हैकाथॉन' में यादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता के विद्यार्थियों व शोधकर्ताओं के एक समूह ने जीत हासिल की है। विजेता दल के सर्वश्री देवदास चौधरी, सुभाष कुमार बसाक और प्रियब्रत मंडल शामिल हैं। इन प्रतियोगियों ने केवल 2 हजार रुपये की लागत से प्रत्येक आवास में जंग लड़ी की तोंके माध्यम से पेयजल से खतरनाक तत्व 'आर्सेनिक' को अलग करने का

शेष पृष्ठ 3 पर

तरीका प्रतिपादित किया है। आईआईटी खड़गपुर के ग्रामीण विकास केंद्र ने देश ग्रामीण इलाकों में पेयजल के प्रदूषण को नियंत्रित करने के किफायती तरीके खोजने के लिए इस हैकाथॉन का आयोजन किया था। विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान करते हुए संसद्ज्ञान के उपनिदेशक प्रो० श्रीमान कुमार भट्टाचार्या ने कहा कि शोधकर्ता दलों को यह चेष्टा भी करनी है कि पानी से अलग किए गए प्रदूषक वापस पानी में ना जाये। इस हैकाथॉन में पूर्वी भारत के पूर्वी भारत के अग्रणी

सेन्य छावनी को भारतीय थल सेना के ब्रह्मास्त्र कोर का नया मुख्यालय भी आर्मी बेस कैप का निरीक्षण किया। सैन्य अधिकारियों के साथ छावनी की अत्याधुनिक सुविधाओं, सुरक्षा सहित युद्ध होने की दशा में इसकी तैयारियों का विस्तृत व गहन जायजा लिया। सेना के सूत्रों ने बताया कि चीन के साथ युद्ध होने की स्थिति में पानागढ़ सेना के सूत्रों ने बताया कि पहले यह कोर रांची के सेना छावनी में स्थापित ही। पानागढ़ छावनी की जरूरत व महत्त्व काफी व्यापक हो जायेगी। पानागढ़ किए जाने के बाद



विश्वविद्यालय कर्त्ता लेना प्रमुख विभिन्न राजत व अन्य लेना कर्त्ता

मार्च में ब्रह्मास्त्र कोर को पानागढ़ में स्थानान्तरित किया गया। कैप के विकसित होने के बाद सेनाध्या जेनरल रावत का यह प्रथम पानागढ़ दौरा था। जेनरल रावत के साथ भारतीय सेना के ईस्ट कमान्डेंट (जीओसीएनसी) लेफिटेनेंट जेनरल मनोज मुकुंद नरवने एवं अन्य सैन्य अधिकारी भी मौके पर मौजूद थे। सैन्य अधिकारियों ने पानागढ़ सेना छावनी का गहन निरीक्षण करने के बाद विस्तृत जानकारियां ली और उचित दिशा-निर्देश भी दिए। यहां ब्रह्मास्त्र कोर के कमांडर ने सेना प्रमुख एवं पूर्वांचल प्रधान को विस्तार पूर्वक जानकारी दी। सेना प्रमुख ने तैयारियों को लेकर संतोष व्यक्त किया। सेना के एक सूत्र ने शेष पृष्ठ 3 पर

पोल खोल



हिंसा की घटनाओं से झुलाकों में तनाव का माईल

गंतव्य दुर्गापुर संवाददाता : क्षेत्र में लोकसभा चुनाव खत्म होने के पश्चात भी बर्द्धमान पश्चिम और बांकुड़ा जिले में हिंसक घटनाओं का दौर खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। आये दिन किसी ना किसी बहाने इन दोनों जिलों में एक दूसरे पर जानलेवा हमलों का सिलसिला जारी है। चिंता का विषय यह है कि हिंसक वारदात बढ़ती ही जा रही है। अचरज की बात तो यह है कि हिंसक घटनाओं में ज्यादातर सत्ताख़ढ़ सरकार के लोग घायल हो रहे हैं। इन लोगों के घरों और वाहनों को टारगेट किया जा रहा है। मई महीने की अगर बात करें तो पांच ऐसी घटनाएं घटी हैं जिनमें सत्ताख़ढ़ दल के लोग ही हमले के



शिकार हुए हैं। बर्द्धमान पश्चिम जिला और बांकुड़ा जिला इसका उदाहरण है। पहली घटना दुर्गापुर नगर निगम के 39 नंबर वार्ड की है। लोकसभा चुनाव के दो दिन बाद इस वार्ड के नाराज और गुस्साये लोगों ने पार्श्व शांक शेखर मंडल और उसके दो भाइयों को मार-पीटकर इलाके से तड़पार कर दिया। इसके एक सप्ताह बाद दुर्गापुर नगर निगम की पार्षद

अंकिता चौधरी को अपने ही इलाके डीपीएल कॉलोनी में गुस्साई भीड़ के आक्रोश का सामना करना पड़ा। तीसरी घटना भी बर्द्धमान पश्चिम जिले की ही है। औद्योगिक शहर दुर्गापुर के फरीदपुर ब्लॉक अंधीन कांकसा थाना इलाके के आकंदरा में एक किशोरी से छेड़छाड़ करने से उत्पन्न विवाद ने हिंसा का रूप धारण कर लिया और तृणमूल कांग्रेस के नेता और ग्राम पंचायत प्रधान पीयूष मुखोपाध्याय की गाड़ी और घर पर हमला बोलकर तोड़फोड़ की गयी। इन सभी घटनाओं के पीछे भाजपा तृणमूल कांग्रेस के अपने लोगों का हाथ और साजिश होने की बात बता रही है।

लोकतंत्र का ये कैसा चेहरा?

पश्चिम बंगाल देश का एक ऐसा राज्य बन गया है जहां लोकसभा चुनाव के पहले चरण से लेकर अब तक सम्पन्न छठे चरण के चुनाव तक हिंसा, झड़प, मारपीट यहां तक कि बृथृ दखल की घटनाएँ न घटी हों। वैसे यह कोई नई घटना नहीं है। बंगाल का चुनाव में हिंसा व झड़प से बहुत पुराना नाता रहा है, लेकिन इसबार कुछ अभूतपूर्व घटनाएँ घटी हैं। ममता दीदी को श्री राम के नाम से एलर्जी है और भाजपा का स्लोगन ही है श्री राम। इस संग्राम में दीदी ने सारी मर्यादाओं को तार-तार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को थप्पड़ मारने तक की बात कह दी। बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी अर्जुन सिंह से मारपीट व झड़प, मीडिया से मारपीट के साथ अन्य जगहों पर भी हिंसक झड़पें हुई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप धोष के काफिले भाजपा प्रत्याशी व पूर्व आइपीएस भारती धोष आदि के साथ धक्का-मुक्की व उनके गाड़ियों पर टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की। ममता बनर्जी ने तो पीएम मोदी को प्रधानमंत्री मानने से ही इंकार कर दिया है। उनका मानना है कि नरेंद्र मोदी एकसप्ताहीरी पीएम हैं और उनके हाथ खून से रंगे हैं। दरआसल देखा जाय तो पश्चिम बंगाल में भाजपा के बढ़ते जनाधार से ममता बनर्जी को अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती नज़र आ रही है और यही प्रमुख कारण है कि उनकी जुबान बार-बार फिसलती जा रही है। एक और दुखद एवं त्रासदपूर्ण घटना जम्मू-कश्मीर में भी घटी जहां भाजपा नेता की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी गयी ताकि वहां चुनाव को बाधित किया जा सके। कश्मीर में जब-जब चुनाव होते हैं, आतंकवाद और अलगाववाद के आका उसमें बहिष्कार वोट न डालने की चेतावनी, हिंसा, उपद्रव आदि के जरिए खलत डालने की कोशिश करते हैं। इस बार भी भाजपा नेता गुल मोहम्मद भीर की गोली मारकर हत्या करके आतंकवादियों ने मतदान से पूर्व दहशत का माहौल बनाने की चाल चली। विगत ६ मई को यहां दो सीर्यों अनन्तनाग और लद्दाख में चुनाव था। अनन्तनाग में तीन चरणों में चुनाव हुए हैं। यह आखिरी चरण था इसलिए इससे दो दिन पहले दहशतगर्दों ने कायराना हरकत करते हुए दक्षिण कश्मीर के इस हिस्से में भाजपा नेता की हत्या कर वोटरों में खौफ पैदा करने की कोशिश की लेकिन इस आम चुनाव में कश्मीर के मतदाताओं ने आतंकियों की धमकियों को अनसुना कर दिया। अब तक चुनावों में पिछले चुनावों के मुकाबले मत प्रतिशत में इजाफा देखा गया है। यह पहलीबार नहीं है जब चुनाव के दौरान आतंकवादी-अलगाववादी हिंसा की गयी। इससे पहले भी उन्होंने इस तरह के कृत्य किये हैं, लेकिन चुनाव हुए हैं और लोगों ने मतदान किया है। भाजपा नेता की हत्या की निन्दा पीएम मोदी के साथ पीड़ीपी नेता महबूबा मुफ्ती व एनसीपी नेता उमर अब्दुल्ला दोनों ने की लेकिन हाल के चुनाव में इन दोनों ने एक के बाद एक जो बयान अलगाववादी व आतंकवादियों के प्रति हमदर्दी वाले दिए हैं यह उनका दोहरा मुख्यौदा है, जो जगजाहिर हो चुका है। खेल, यह मसला कश्मीर का है जो लंबे समय से आतंकवाद से पीड़ित रहा है, लेकिन साहित्य, संस्कृति व कला के केंद्र बिन्दु पश्चिम बंगाल में ऐसी कौन अनहोनी हवा बहने लगी है कि अब तक सम्पन्न हुए सभी चुनावों में हिंसा की चिनारी निकली है। कोई मृत्यु को प्राप्त हुआ तो किसी के सर पूटे हैं तो किसी के हाथ-पौव टूटे हैं। किसी के वाहन तोड़े गए हैं तो किसी की मोटरसाइकिल। यह चुनाव का कौन सा रंग है जो लोकतंत्र के ढंग को बिगाड़ने पर तूला हुआ है? भाषा की मर्यादा को कलंकित कर रहा है और एक संप्रभु राष्ट्र को अपने हठ के चलते छिन्न-भिन्न करने पर अमादा है। सियासत की एक मर्यादा होती है जिसका ध्यान देश के हर नेताओं, पार्टियों को रखनी चाहिए। राजेंद्र नाथ झा संपादकीय

संवैधानिक पद को संवैधानिक सलाह



से एक दूसरे पर तीखे जुबानी हमले कर रहे हैं जिसे देखते हुए देश का लोकतंत्र शर्मिदा होता नज़र आ रहा है। इन सबों के बीच विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने ट्रॉट कर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने ममता बनर्जी को मशहूर शायर वशीर ब्रद के एक शेर के जरिए जवाब दिया है। हाल ही में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक जनसभा में नरेंद्र मोदी पर प्रहार करते हुए कहा था कि झूठा प्रधानमंत्री नहीं देखा। जब चुनाव आता है तो राम नाम जपने लगते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा था कि पैसा मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता है। जबकि मोदी बंगाल में आकर कहते हैं कि तृणमूल लूटेरों से भरी पड़ी है। उनके इसी बात पर सुषमा स्वराज ने ट्रॉट में लिखा है, ‘आज आपने सारी हड्डें पार कर दीं। आप प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं और मोदी जी देश के प्रधानमंत्री हैं। कल आपको उन्हीं से बात करनी है। इसलिए वशीर बद्र का

ਸੰਬ ਕੋ ਲੋਕਰ ਵਿਰੋਧੀ ਛਮੇਣਾ ਚੱਚਾ ਕਰਦੇ

विवरण नई दिल्ली व्युरो : दुनियां के कहीं ज्यादा अमीर पैदा भी किए हैं।

अमीरों में शुमार लौग अपना देश छोड़कर पलायन कर रहे हैं। केवल भारत से साल 2018 में हजारों धनवान दूसरे देशों में पलायन कर चुके हैं। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि भारत ने जिनमें अमीर खोए उससे ज्यादा अमीर पैदा कर लिए हैं। अगर दुनियां में अमीरों द्वारा स्वदेश छोड़ने वाले टॉप देशों की बात करें तो इसमें हमारा पड़ोसी देश चीन पहले नंबर पर पर है। इसके बाद रूस, भारत, यूके, फ्रांस, ब्राजील और साउथ अफ्रीका का नंबर आता है। ऑस्ट्रेलिया ऐसा देश है जो इन पलायन करने वाले अमीरों की पहली

A photograph of a man from the chest up, wearing a white dress shirt and a patterned tie. He is holding a massive, sprawling pile of gold bars in front of his torso. The gold bars are stacked in various directions, creating a large, heavy-looking mass. The background is dark and out of focus.

दूसरे शब्दों में भारत को 'अमीरों का फैक्ट्री' कहना भी गलत नहीं होगा। आंकड़े बताते हैं कि भारत अमीरों बनाने वाले देशों में टॉप 5 में शामिल है। इस लिस्ट में एशिया के 3 देश शामिल हैं। टॉप पर चीन है जिसने 2008 से अब तक 130 प्रतिशत अमीरों को फिर से पैदा किया है। इस लिस्ट में भारत चौथे नंबर पर है और श्रीलंका उसके ठीक बाद है। चिंता की बात यह है कि भारत भले ही अमीर बनाने में टॉप 5 देशों में शामिल हो लेकिन यहां धन की असमानता भी सबसे ज्यादा है। यहाँ 52% धन देश के सभी लोगों में बैटा है वहीं 48% चंद अमीरों में कैद है।

ਸੈਂਕਡੀ ਮਿਟਿਕ ਟਨ ਅਵੈਧ ਕੋਯਾਲਾ ਜਲ



अवैध कोयला लदा ट्रक व नीचे पड़े कोयले की निगरानी करते सुख्खा गार्ड जब्द किया गया। उक्त जगह पर कोयले के कांटे के साथ-साथ कोयला डीपे पर भी जांच पड़ताल की गयी। सूखे की मानें तो कोयला माफियाओं ने मौके पर पहुंचकर ईसीएल सुरक्षा कर्मियों को रिश्वत देने का प्रयास किया, लेकिन सुरक्षा कर्मियों के इंकार के बाद वो लोग शांत हो गए। बाद में सुरक्षा कर्मियों ने वहाँ के हालात देखने के बाद सीआईएसएफ को खबर कर दी। जिसके पश्चात मौके पर सीआईएसएफ अधिकारी एसके विश्वास पहुंचे और ट्रक लदा कोयला जब्द कर स्थानीय नार्थ थाना पुलिस के एसआई संजय कुमार को बलाया और ट्रक थाने ले आई।

लगभग 100 सिटिक टन कोयला

ਪ੍ਰਾਤ 1 ਕਾ ਸ਼ੇ਷ ਫੈਸਲਾ 2019 ਕਿਤਨੇ.....

भाजपा ने मार्च में 88 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ रेडियो पर राजनीतिक विज्ञापन दिए। सोशल मीडिया पर प्रचार के मामले में भाजपा बहुत पहले ही अन्य दलों से आगं निकल गयी थी। फेसबुक पर राजनीतिक विज्ञापन पोस्ट करने के मामले में राजनीतिक दलों ने कुल 27.73 करोड़ रुपये चुकाए जिनमें भाजपा सबसे आगे रही। फेसबुक पर भाजपा ने अकेते चार करोड़ रुपये के विज्ञापन दिए जो कांग्रेस के 1.8 करोड़ से 200 प्रतिशत ज्यादा था। ट्रिविटर पर मोदी के फॉलोवरों की संख्या 4.63 करोड़ है। वहीं राहुल के फॉलोवरों की संख्या 88 लाख से अधिक हैं। सिर्फ ट्रिविटर ही नहीं फेसबुक पर मोदी के 4.3 करोड़ फॉलोवर हैं। नरेंद्र मोदी ऐप को ही एक करोड़ से ज्यादा लोगों ने डाउनलोड किया हुआ है।

पृष्ठ 1 का शेष ग्रामाण पर्याजल हंकारान मे यादवपुर विरेव

इंजीनियरिंग संस्थानों के 13 चुना गया है।

अत्याधुनिक सुविधाओं
से लैस होंगे पानागढ़
पट्ट 1 का शेष

स्थापत डिजाइन इनावशन सन्तर न
यह प्रतियोगिता प्रायोजित की थी।
संस्थान की राशायन अभियंत्रिकी
विभाग की छात्रा सुश्री उषा कुमारी ने
इस स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहीं।
उन्होंने सल्फ्यूरिक एसिड व
एल्यूमिना के सक्रियकरण से पेयजल
से आर्सेनिक व फ्लूराइड अलग
करने की तकनीक विकसित की है।
आइआइ इ एस टी शिवपुर तथा एन
आइ टी, वारंगल के प्रतियोगी दलों

बताया कि चीन के साथ कूटनीतिक
लड़ाई में एवं उत्तर-पूर्वांचल की सैन्य
क्षमता को किसी भी तरह से कमतर
नहीं आंका जा सकता है। इसी कारण
से ब्रह्मास्त्र कोर एवं उत्तर-पूर्वांचल के
सेना छावनियों को विकसित किया जा
रहा है। तेज गति से सेना के जवानों को
पहुंचाने के लिए पानागढ़ में वायु सेना
का कैप भी तैयार हो चुका है। वायु
सेना के बड़े हथियार के रूप में माने
जाने वाले सुखोई-30 विमान भी

सेल सिक्योर नामक टीएमटी बार का नया ब्रांड लॉच

उच्च गुणवत्ता, सुरक्षित घरों के निर्माण की दिशा में सेल

गंतव्य बर्नपुर संवाद : देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़ी इस्पात उत्पाक महारत्न कंपनी स्टील ऑथरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने सेल सिक्योर नाम से टीएमटी बार का एक नया ब्रांड लांच किया है। सेल का यह नया ब्रांड निर्माण की जरूरतों के हिसाब से जहाँ ज्यादा सुरक्षित है वहीं इसमें उच्च गुणवत्ता के बेहतर लचीलेपन के साथ अत्यधिक मजबूती की दोहरी विशेषता है। इस तरह से सेल का यह नया ब्रांड निर्माण को यह और बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। सेल सिक्योर टीएमटी बार का उत्पादन सेल के इसको स्टील लॉट की नई और अत्यधिक बार एंड रॉड मिल से पहली मई से शुरू हो चुका है और बीते 6 मई से इसकी पहली खेप को रवाना किया जा चुका है। सेल सिक्योर टीएमटी बार का बेहमर लचीलापन और अत्यधिक मजबूती का अनूठा मेल इस श्रेणी के लिए बीआईएस द्वारा निर्धारित किए गए न्यूनतम स्तर से भी अधिक है। इस वर्ग में यूटीएस/वाईएस



पहली खेप को रवाना करते इंस्टको के साझेंओ व अन्य अधिकारीगण

अल्टीमेट टेनसाइल स्ट्रेन्थ/यील्ड ट्रेन्थ) 1.18 सर्वश्रेष्ठ है, जो बार मुकंप या सूनामी इत्यादि जैसी माकासिक घटनाओं के दौरान येल्डिंग बैन्ड से आगे दबाव पर बिना किसी फेटास्ट्रोफीक असफलता के अधिक रुजाँ अवशोषित कर सकते हैं। यह ऐल सिक्योर सीआर नाम उपलब्ध कीटोगी। यह 12 मीटर की लंबाई में गुरुआती तौर पर 8 मिमी-20 मिमी लायस के आकार में उपलब्ध होगी। इसको स्टील प्लाट और भिलाई स्टील लांट से उत्पादन बढ़ने के साथ इसे बन्ध क्षेत्रों में भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसे लेकर सेल के अध्यक्ष अनिल कुमार चौधरी ने कहा कि, कंपनी ऐसे उत्पादों के विकास और उत्पादन के लिए प्रतिबद्ध है, जो अपनी श्रेणी में ना केवल सर्वश्रेष्ठ हों बल्कि गुणवत्ता में भी सर्वोत्तम हों, जिससे ग्राहक हमारे उत्पादों से सर्वश्रेष्ठ वैल्यू हासिल कर पाएं। किसी भी तरह के निर्माण से जुड़े उत्पाद के विकास के दौरान सेल की सर्वोच्च प्राथमिकता सुरक्षा मानकों को लेकर होती है, और हमारा नया सेल सिक्योर टीएमटी बार अपनी अत्यधिक मजबूती और बेहतर लचीलेपन के सर्वोत्तम गुणवत्ता के साथ सुरक्षित निर्माण का भरोसा है।

फानी के आतंक से दुर्गापुरवासी दिखे परेशान



दो माह की छुट्टी से परेशान महिलाएं गेट पर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

के करीब दो माह तक पढ़ाई ठप होगी तो सिलेबस पूरा कैसे होगा। मेड डे लिए जमा कच्चे माल का क्या बोलेगा। मिड डे मिल खाने की लत पड़े वच्चों का क्या होगा। ऐसे ही कई वचलतं सवाल उठाये जा रहे हैं। हिन्दी भाषा शिक्षा विकास मंच के संयोजक नोनोज कुमार यादव ने राज्य सरकार के शिक्षा विभाग से अनुरोध करते हुए रानीगंज की है कि सरकारी स्कूलों को छुट्टियों में कमी करने और शिक्षकों को भौतिकत्व कलास लिए जाने का निर्देश देया जाय। वहीं रानीगंज सनातन विद्यालय के असिस्टेंट प्रधानाध्यापक भनिल भिशा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में इतनी लंबी छुट्टी के कारण सिलेबस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। रानागढ़ बाजार हिन्दी हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद ने सरकारी बैनायितों नेताजों हिन्दी हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार सुमन ने कहा कि दो माह की लंबी छुट्टी में शिक्षक तो जहां-तहां चले गए लेकिन विद्यालय का काम अकेले हेडमास्टर के सिर पर आ गया है। अकेले हेडमास्टर क्या करेंगे। वहीं दूसरी तरफ इस लंबी छुट्टी से परेशान अभिभावकों ने भी मोर्चा खोल दिया है। माकपा के विभिन्न शिक्षक संगठनों द्वारा जहां इतनी लंबी छुट्टी पर पुरजोर विरोध किया जा रहा है वहीं अभिभावक भी विरोध प्रदर्शन करने लगे हैं। शुक्रवार को ऐसा ही वाक्या दुर्गापुर के एमएमसी मॉर्डन हाई स्कूल में देखने को मिला। इस स्कूल के बच्चों के अभिभावकों ने स्टूडेंट गार्जियन वेलफेयर सोसायटी के बैनर तले

अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड वार से भारत को फायदा : एक्सपर्ट

अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध से भारत के लिए दोनों देशों में निर्यात अवसर बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारत दोनों देशों में परिधान, कृषि, वाहन और मशीनरी के क्षेत्र में निर्यात अवसर हासिल कर सकता है। भारतीय व्यापार विदेश संस्थान (आईआईएफटी) में प्रोफेसर राकेश मोहन जोशी ने कहा कि अमेरिका मुख्य रूप से चीन से खास तौर से मशीनरी और खास तौर से इलेक्ट्रोनिक्स के क्षेत्र में मध्यवर्ती उपकरणों पर निशाना साध रहा है। जबकि दूसरी तरफ चीन ने अमेरिका से ऑटोमोटिव और सोयाबीन सहित कृषि उत्पादों को निशाने पर लिया है। ज्ञात रहे कि अमेरिका द्वारा पिछले दिनों चीन के 50 अरब डॉलर के हाईटेक वस्तुओं पर 25 फीसदी और 200 अरब डॉलर डॉलर मूल्य की अन्य वस्तुओं पर 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से दोनों देशों के बीच ट्रेड वार और बढ़ गया है। हाल में अमेरिका ने चीनी मोबाइल कंपनी हुआवे को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स में छपे एक लेख में भी



विदेश के इंटरनेशनल प्रॉटोकॉल लाई किया गया है ट्रेड वार से भारतीय नियात व्यापार सकता है - प्रद्वाल फॉटो

हाल में कहा गया था कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती दूरी से भारत और चीन के बीच आर्थिक रिस्ते और बेहतर हो सकते हैं। भारत उन कुछ देशों में है जो चीनी बाजार में अमेरिकी उत्पादों के आयात में कमी आने का फायदा उठा सकते हैं। भारत-चीन के अधिकारियों की हाल में एक बैठक हुई है, जिसमें दोनों देशों के बीच कृषि जिंस और अन्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने पर विचार हुआ है। ग्लोबल टाइम्स के लेख में कहा गया था, 'भारत से चीन में कृषि और इलेक्ट्रोनिक्स उत्पाद की निर्यात की पूरी संभावना का दोहन नहीं हो पाया है। चीन और अमेरिका में ट्रेड वार बढ़ा तो ऐसी कई वस्तुओं से

अमेरिकी आयात पर चीन जवाबी टैरिफ लगा सकता है। चीन अमेरिका द्वारा एकत्रफा टैरिफ लगाने के किसी भी संभावित नुकसान से अपने को बचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यदि ट्रेड वार की वजह से कृषि उत्पादों की आपूर्ति में कमी आती है तो यह मेक इन इंडिया उत्पादों के लिए अवसर होगा' न्यूज एंजेसी पीटीआई के मुताबिक, प्रोफेसर राकेश मोहन जोशी ने कहा कि इन क्षेत्रों में भारत के लिए व्यापक संभावनाएँ हैं। भारत के लिए परिधानों और सिलेसिलाये कपड़ों के क्षेत्र में मजबूत अवसर पैदा हो रहे हैं। क्योंकि चीन के बाद भारत ही सबसे बड़ा बाजार है

SC ने हटाई प्रोटेक्शन CBI कर सकती राजीव कुमार को गिरफ्तार

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के चेहरे अफसर राजीव कुमार को झटका



गंतव्य नई दिल्ली संवाद : देश के सर्वोच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी अधिकारी राजीव कुमार को गिरफ्तारी से मिली राहत को वापस ले लिया है। जिसके पश्चात शीर्ष अदालत ने कहा कि अब सीबीआई सात दिन बाद राजीव कुमार को गिरफ्तार कर सकती है। सर्वोच्च अदालत ने शारदा चिटफंड घोटाला मामले में राजीव कुमार को

बाद राजीव कुमार ने सीबीआई की पूछताछ करने पर रोक संबंधी प्रोटेक्शन को वापस ले लिया है। उनको अग्रीम जमानत के लिए हाईकोर्ट का रुख करने के लिए 7 दिन का समय दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर राजीव कुमार सात दिनों के अंदर हाईकोर्ट का रुख नहीं करते हैं और उनको वहां से अग्रीम जमानत नहीं मिलती है, तो सीबीआई सात दिन बाद राजीव कुमार को गिरफ्तार कर सकती है। इससे पहले सीबीआई के अधिकारी एक बार जब राजीव कुमार से पूछताछ करने पहुंचे थे, तो कोलकाता पुलिस ने उनको हिरासत में ले लिया था। इसके

जून-जुलाई में झामाझाम बरिश होगी मौसम विभाग का अनुमान

गंतव्य (नई दिल्ली) संवाद : मानसून को लेकर बड़ी खबर आई है। भारत मौसम विभाग का कहना है कि अल नीनों की स्थिति कमज़ोर बनी हुई है। इसके आगे बढ़ने की संभावना बहुत कम नज़र आ रही है। अगले कुछ महीनों में ये और कमज़ोर हो सकती है। अगले होता है तो देश के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है, क्योंकि मानसूनी बारिश का सीधा असर ग्रामीण अर्थ व्यवस्था पर पड़ता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस मानसून सीजन में देश में लंबी अवधी के औसत की 96 फीसदी बारिश संभव है। इसके पहले आशंका थी कि अल नीनों की वजह से मानसून पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग मानसून का अगला अपडेट जून के पहले हप्ते में दिया जायेगा। मानसून का



सीधा असर ग्रामीण आबादी पर पड़ता है। मानसून सामान्य और अच्छा रहने से ग्रामीण इलाकों में लोगों की आय बढ़ती है जिससे मांग में भी तेजी आती है। ग्रामीण इलाकों में आय बढ़ने से इंडस्ट्री को भी फायदा मिलता है। 1951-2000 की बात करें तो देश में बारिश का लॉन्च पीरियड एवरेज 89 सीएम रहा है। इससे पहले मौसम के

WORLD CUP 2019: विराट का खुलासा ऋषभ पंत की जगह टीम में चुने गए कार्तिक



विराट कोहली ने कब्ज अनुभावी होने के कारण किंवदं कार्तिक के वर्ल्डकप में चुना गया। गंतव्य खेल संवाददाता : आईसीसी क्रिकेट वर्ल्डकप की भारतीय टीम का चयन हुए भले ही करीब एक माह का वक्त हो गया है, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को चुनने और कुछ अन्य उत्पादों की आपूर्ति में कमी आती है तो यह मेक इन इंडिया उत्पादों के लिए अवसर होगा' न्यूज एंजेसी पीटीआई के मुताबिक, प्रोफेसर राकेश मोहन जोशी ने कहा कि इन क्षेत्रों में भारत के लिए व्यापक संभावनाएँ हैं। भारत के लिए परिधानों और सिलेसिलाये कपड़ों के क्षेत्र में मजबूत अवसर पैदा हो रहे हैं। क्योंकि चीन के बाद भारत ही सबसे बड़ा बाजार है

हिंसा की आग में

हिंसा की आग में, कैसी यह सोचा। तोड़कर पूर्वजों की मूर्तियाँ, जता रहे अफसोस। नफरतों के दौर, इतने ना बढ़ने पाये। सलामत रहे जींदगी, दुआ सलाम फरमाए। जीवन के कालचक, सभी को उलझाए। आसमान में उड़ने वाले, एक दिन जमी पर आए। सब दिन ना रहे समान, बड़े बुजुर्ग फरमाए।

जैसी करनी नित करे, वैसे ही फल पाए। आ रहा वक्त अब, सब नीतीजा बतलाए। जिसने किए हैं नेकी, फल वही पाए। फैसला उजाला देखकर, मन हर्षित हो जाए। अंधकरों की अभिलाषा जिन्हें, वो परपंच रवि जाए। "आशुतोष कुमार"

